"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर, संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स ॲन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

हिंदी विभाग

प्रोग्राम आऊटकम (PO)

अ. नं	कोर्स	प्रोग्राम आऊटकम
1	बी.ए. भाग -1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B बी.कॉम भाग –1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B	1) छात्रों में हिंदी भाषा तथा व्याकरण का सामान्य परिचय कराना। 2) छात्रों में सृजनात्मक लेखन एवं व्यावहारिक लेखन कौशल्य का विकास कराना। 3) छात्रों को मानक वर्तनी के नियमों से एवं उसमें होनेवली अशुद्धियों से परिचित कराना। 4) छात्रों की साहित्य के प्रति रुचि बढाना तथा विविध विधाओं से परिचित कराना। 5) छात्रों में श्रवण, पठन, लेखन एवं विचार तथा कल्पनाक्षमता को विकसित कराना। छात्रों में नैतिक मुल्य, राष्ट्र प्रेम, एकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता निर्माण कराना।
2	बी.ए. भाग- 2 1. प्रश्नपत्र – III – अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य 2. प्रश्नपत्र – IV – हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा 3. प्रश्नपत्र – V रोजगारपरक हिंदी	1) छात्रों में कथा एवं कथेत्तर साहित्य के प्रति रुचि बढाना एवं हिंदी में उपलब्ध विविध रोजगारों की जानकारी दिलाना। 2) छात्रों को गद्य विधाओं का स्वरूप, प्रकार, तत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत कराना। 3) छात्रों को मध्यकालीन एवं आधुनिक कवि एवं उनकी

	प्रश्नपत्र – VI 4. अस्मितामूलक विमर्श और पद्य साहित्य	कविताओं से परिचित कराना। **4)** छात्रों को नैतिक मुल्य, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं विविध विमर्शो से अवगत कराना।
3	बी.ए. भाग- 3 **1.** प्रश्नपत्र – VII और XII विधा विशेष का अध्ययन **2.** प्रश्नपत्र – VIII और XIII साहित्यशास्त्र **3.** प्रश्नपत्र – IX और XIV हिंदी साहित्य का इतिहास **4.** प्रश्नपत्र – X और XV प्रयोजनमूलक हिंदी **5.** प्रश्नपत्र – XI और XVI भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	1) छात्रों को नाटक एवं उपन्यास विधा की प्रासंगिकता, महत्त्व तथा रचना का मुल्यांकन करने में सक्षम करना। 2) छात्रों में काव्य के अंग, आलोचना तथा साहित्य समीक्षा अभिरुची को विकसित कराना। 3) छात्रों को हिंदी साहित्य के आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक कालीन साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित कराना। 4) छात्रों को हिंदी पारिभाषिक शब्दावली, संदर्भ ग्रंथ, इलेक्ट्रॉनिक एवं मुद्रित जनसंचार माध्यमों से अवगत कराना। 5) छात्रों को भाषा के विविध रूपों, लिपि का विकास, भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।

हिंदी विभाग प्रमुख

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापूर, संचालित
दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी
हिंदी विभाग
प्रोग्राम पेसिफिक आऊटकम (PSO)

अ. नं	कोर्स	प्रोग्राम पेसिफिक आऊटकम
1	बी.ए. भाग -1 (सत्र- I, II) अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B बी.कॉम भाग –1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B	1) छात्रों में हिंदी भाषा तथा व्याकरण का सामान्य जानकारी प्राप्त होगी। 2) छात्रों में सृजनात्मक लेखन एवं व्यावहारिक लेखन कौशल्य का विकास होने में मदत होगी। 3) छात्र मानक वर्तनी के नियम एवं उसमें होनेवाली आशुद्धियों से परिचित होंगे। 4) छात्रों में साहित्य के प्रति रुचि बढेगी तथा छात्र विविध विधाओं से परिचित होंगे। 5) छात्रों में श्रवण, पठन, लेखन एवं विचार तथा कल्पना क्षमता का विकास होगा। छात्रों में नैतिक मुल्य, राष्ट्र प्रेम, एकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
2	बी.ए. भाग- 2 (सत्र- III, IV) 1. प्रश्नपत्र – III – अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य 2. प्रश्नपत्र – IV – हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा 3. प्रश्नपत्र – V रोजगारपरक हिंदी 4. प्रश्नपत्र – VI अस्मितामूलक विमर्श और पद्य साहित्य	1) छात्रों में कथा एवं कथेत्तर साहित्य के प्रति रुचि बढेगी एवं छात्रों को हिंदी में उपलब्ध विविध रोजगारों की जानकारी प्राप्त होगी। 2) छात्र साहित्यिक गद्य विधाओं का स्वरूप, प्रकार, तत्त्व एवं उपयोगिता से परिचित होंगे। 3) छात्र मध्यकालीन एवं आधुनिक कवि एवं उनकी कविताओं से परिचित होंगे। 4) छात्र अपना नैतिक मुल्य, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं विविध विमर्शो से अवगत होंगे।

3	बी.ए. भाग- 3 (सत्र- V, VI) 1. प्रश्नपत्र – VII और XII विधा विशेष का अध्ययन 2. प्रश्नपत्र – VIII और XIII साहित्यशास्त्र 3. प्रश्नपत्र – IX और XIV हिंदी साहित्य का इतिहास 4. प्रश्नपत्र – X और XV प्रयोजनमूलक हिंदी 5. प्रश्नपत्र – XI और XVI भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	1) छात्र नाटक एवं उपन्यास विधा की प्रासंगिकता, महत्त्व तथा रचना का मुल्यांकन करने में सक्षम होंगे। 2) छात्रों में काव्य के अंग, आलोचना तथा साहित्य समीक्षा अभिरुची का विकास होगा। 3) छात्र हिंदी साहित्य का आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक कालीन साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित होंगे। 4) छात्र हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली, संदर्भ ग्रंथ, इलेक्ट्रॉनिक एवं मुद्रित जनसंचार माध्यमो से अवगत होंगे। 5) छात्र हिंदी भाषा के विविध रूप, लिपि का विकास, भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

हिंदी विभाग प्रमुख